

ID/03

Q1 Explain the various types of cushioning materials.

Ans:- i) Springs - There are two primary spring system used in upholstered furniture construction

a) Eight way hand tied Springs

b) Sinuous Spring Systems.

Springs provide a more comfortable seat and are good for upholstered furniture.

ii) Jute - It is vegetable fiber known as 'ginger fiber'. It is used in upholstery furniture stuffing.

iii) Cotton - Cotton flock made from cotton and cotton waste is used over the second stuffing and also as a lining around the spring unit in cushioning.

iv) Foam :- The most commonly used foam used in cushioning is high density foam. The density of foam and how much dacron is used have an impact on the surface of cushion. It is stain proof, easy to clean and comfortable.

v) Rubber - Rubber is produced neither

is staple now in tow. The yarn is excrued from the spinneret in the desired size. It is used in webbing.

Q2 Explain the bath linen

Ans:- Bath linen consisting of a piece of cloth used to dry after wash face or body. It includes

- i) ~~Family~~
- ii) Hand towel
- iii) Face Towel
- iv) Baby Towel
- v) Gents Towel
- vi) Ladies Towel

All are of different sizes and used for different purposes.

Q3 Explain curtain lining

Ans Curtain lining perform many different functions. They provide fullness in a curtain. They protect the curtain fabric from dirt and grime entering from the window side, they act as an insulator. They protect the main fabric from any moisture. They can block out unwanted lights and reduce street noise. They provide professional finish to window treatments.

There are many different ways to manufacture curtain.

used are as follows -

- i) Tube linings
- ii) locked in linings
- iii) Detachable linings

Q4 Explain Festoon blinds.

Ans:- They are similar to an australian blinds i.e. They are usually made of curtain fabrics and move up and down with cords and rings, but they have additional ruffling which means it keep its gathered effect even when it is down. They have a narrow heading tape at the top and vertically which creates the gathers.

Q5 For a mismatch window which type of treatments to be done? Explain with the help of diagram.

Ans:- Mis-matched window - When a wall is removed between two rooms the resulting combination of window styles can be decorating schemes should aim at either uniting the two or disguising one of the window

i) Treatment - If the window have no view and are architecturally ugly. Use matchtick blinds or curtains from ceiling to the floor.

ii) Treatment - Windows and walls are covered with the same fabric or wallpaper. The wood work is painted with the same colours as the fabric background. The smaller window is visually eliminated. The larger window, which has much more pleasing proportions for that used slash curtains and tied back at the window frames.

iii) Treatment - Bold geometric graphic in strong colour are ~~used~~ paint - from floor to ceiling include the window frame and sashes. A plain window shade also ~~used~~ used which also in the same colour or in the color matching the rest of the wall.

Roman वास्तुकला के मुख्य पाँच order में से किन्ही तीन आर्डर को सीकर समझाईये।  
 $5 \times 3 = 15$

ROMAN ORDER रोमन में पाँच प्रकार के ORDER की वास्तुकला की डिजाइन में बनाए जाते (1) ROMAN DORIC ORDER (2) ROMAN IONIC ORDER (3) ROMAN CORINTHIAN ORDER (4) ROMAN COMPOSITE ORDER (5) ROMAN TUSCAN ORDER

निम्न में से (1) ROMAN DORIC ORDER (2) ROMAN IONIC ORDER (3) ROMAN TUSCAN ORDER

The ROMAN DORIC ORDER :- यह ORDER MARCEIUS के थियेटर (Theatre) जो कि रोम में है उससे लिया गया था। यह Theatre ऊपर से देखने पर semi circular दिखाई देता है। यह Julius Caesar (जुलियस सिज़र) द्वारा 23 B.C में शुरू किया गया तथा 13 B.C में AUGUSTUS द्वारा अपने मतीर्ण मरसेलस की याद में पूरा किया। इस ORDER के निम्न भाग है।

Column COLUMN :- ROMAN DORIC ORDER का BASS, ग्रीक DORIC ORDER से अलग था Column की ऊँचाई निचले diameter के 8 गुना थी।

उसके बेस में कई चोकोर (square block) लगे थे इसका बेस Semi Diameter ऊँचा तथा Torus के साथ Convex plinth थी उसके ऊपर bead moulding की पट्टी तथा FILLET थी।

ऊपर से देखने पर शाफ्ट घृताकार थी तथा उसके ऊपर का व्यास शंकु नुमा  $\frac{3}{4}$  से  $\frac{2}{3}$  diameter था shaft 16 to 20 Flutes में विभक्त थी। जो कि बहुत तीखे थे।

Inner columnation  $2\frac{3}{4}$  था। शाफ्ट एक घृताकार सींच में रकम होती थी जिसें Astragal कहा जाता है था यह bead or reel moulding से बना हुआ था।

Capital जो कि अर्ध व्यास ऊँचा तथा ABACUS or Annulets or Astragal के मध्य necking की गई होती थी। shaft के ऊपर Channel flutes होते थे ये column के ऊपर या नीचे

की तरफ गोल आकार की moulding जिसे Astragal कहते हैं। नीचे necking आने से हुए रेकर्ड है।  
**Entablature** :- जो कि Two diameter ऊँचा होता है।  
 उसमें Architrave, Frieze व Cornice

होते हैं।

**Architrave** :- यह ऊँच व्यास ऊँचा होता है। उसके ऊपर (Triglyphs) रिक्त की तरह शेष उसके नीचे Regula और हर एक Triglyph के नीचे <sup>six</sup> guttae होते हैं यहाँ Architrave, Column के face पर प्रक्षेप नहीं करता है। लेकिन वह उसके समतल होता है।

**Frieze** :- यह  $\frac{3}{4}$  diameter ऊँचा तथा इसमें Triglyphs कोकर Metopes होते हैं Triglyphs के Channels ऊपर से आयताकार होते हैं। लेकिन greek doric style में ये गोल थे। दूसरा Triglyph का केन्द्र Corner Column आता है। यह एक दूसरा अन्तर है रोमन डोरिक में जबकि ग्रीक डोरिक में फ्रीज (Frieze) के corner पर जो Triglyph होता है। वह corner column के मध्य से नहीं गुजरता था मेटोपों में शिकार खड़ी व जानवरों के सिंह आदि की कलाकृतियाँ बनी हुई होती थीं।

**Cornice** :- यह  $\frac{3}{4}$  व्यास ऊँचा तथा इसमें या तो <sup>two</sup> mutules या Dentils होते हैं। Denticular जिसके आकार पर इनका नाम mutular और Denticular होता था mutules की जगह corona के नीचे Dentils या छोटे 2 दाँतों के समान शेष वाले blocks होते हैं जो modules के द्वारा cornice, frieze के नीचे project करता है।  
**Roman doric order** सभी orders में सबसे पुरानी थी। लेकिन रोमन लोगों द्वारा कम ही प्रयोग की जाती थी।

Ans Q(2) **The Roman Ionic order** :- रोम की वास्तुकला में दूसरा ज्येष्ठ आर्डर है। रोम के fortuna मन्दिर से 40-50 में लिया गया है। ऊपर से देखने पर मन्दिर आयताकार तथा व Tiber के किनारे पर स्थित था

(i) **Column** :- Base, shaft और Capital मिलाकर same diameter ऊँचा था। Base semi-diameter ऊँची तथा इसके ऊपरी व निचले (Upper and Lower) Torus, scotia fillet से अलग हुए होते हैं वृत्ताकार शाफ्ट में फिलेट से अलग की हुई 20 flutes होती हैं जो कि flutes की चौड़ाई का  $\frac{1}{3}$  होती है। शाफ्ट का ऊपरी diameter  $\frac{5}{6}$  होता है। तथा inter columnation (IC) होता है three diameter होता है। Ionic order volute, Capital के आकार पर निर्भर है।

जिस पर खूब सारे आभूषण उभरे हुए थे।

Capital जो कि semidiameter ऊँचाई में volute के बीच अठे व जीम वाले आभूषण तथा Reel और Bead moulding से सजी होती है।

एक पत्तियों का रोल बना हुआ तथा मध्य में गुलाब के शेष में आभूषण जो कि volute की आँख का निर्माण करते थे। उसके ऊपर (echinus)

है चोड़े के कण्ठ के समान शेष व कम गहरा प्रोजेक्स (ABACUS)

बोड़ी सफ़ीस चौकोर पट्टी (slab) होती थी। कुछ Ionic order में Capital के चारों ओर spiral scrolls के मुकाबले कम संतोषजनक है हर column column की side में एक आधा semidiameter का प्रोजेक्स (projects) करती है।

Entablature :- यह 2/4 diameter ऊँचा तथा इसमें architecture

Frieze व Cornice होता है।

Architrave :- जो कि 5/8 diameter ऊँचा मारी तथा बहुत ज्यादा

सजा हुआ होता था। इसमें चार से पाँच उठी हुई एक दूसरे पर प्रोजेक्स करती हुई slab होती है। Architrave की साइमा रिक्स moulding व Acanthus leaves से सजी हुई थी तथा निचली slab में bead व reel moulding होती थी।

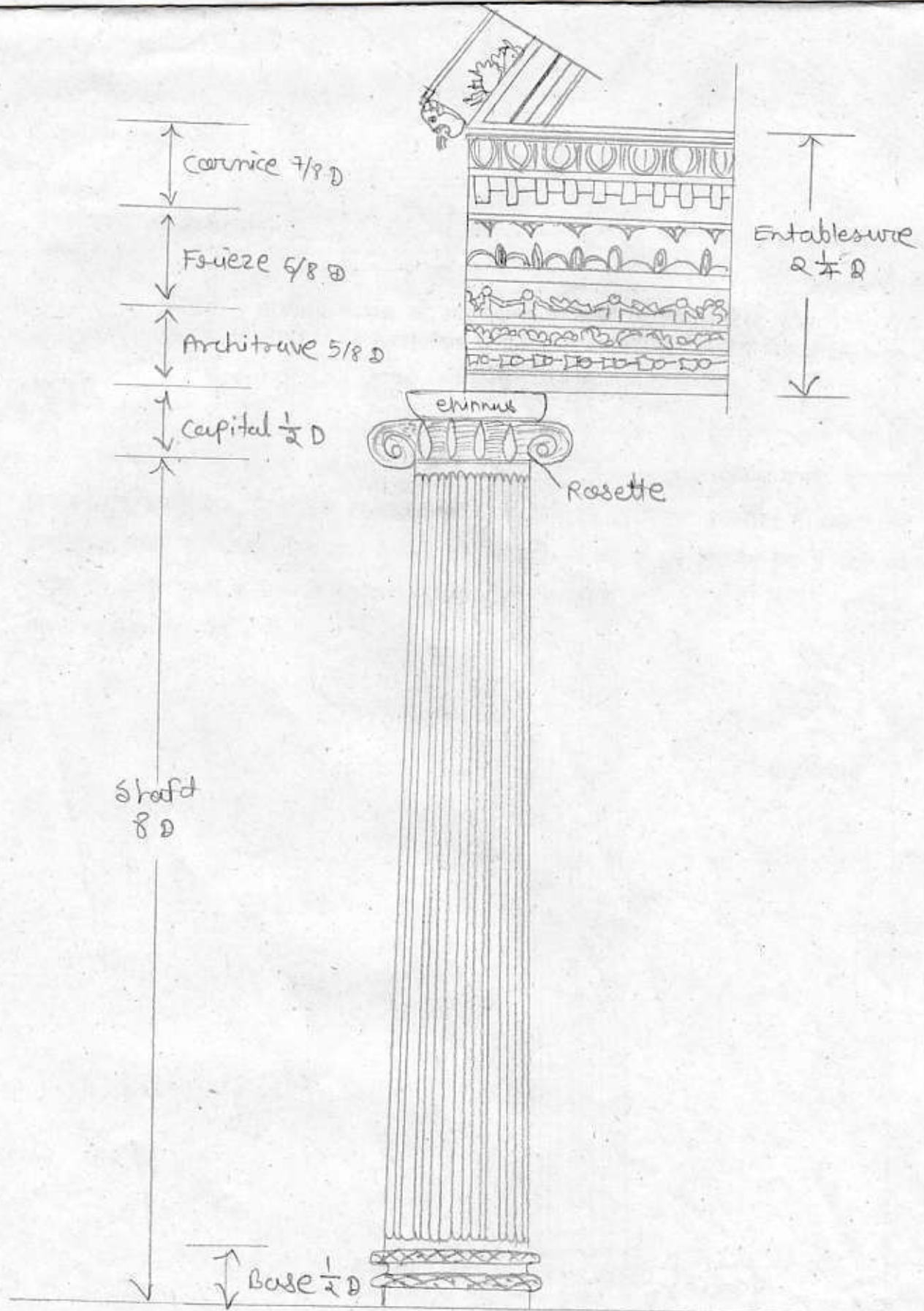
Frieze :- (Flat) समतल व इसमें कला कृतियाँ बनी होती थी यह 3/4 diameter ऊँचा होता था।

Cornice :- यह 7/8 diameter ऊँचा तथा इसमें Cymatium व Corona होते हैं। यह अपनी ऊँचाई के अनुसार प्रोजेक्स करता है Cymatium की acanthus की पत्तियों से अलंकृत शैर

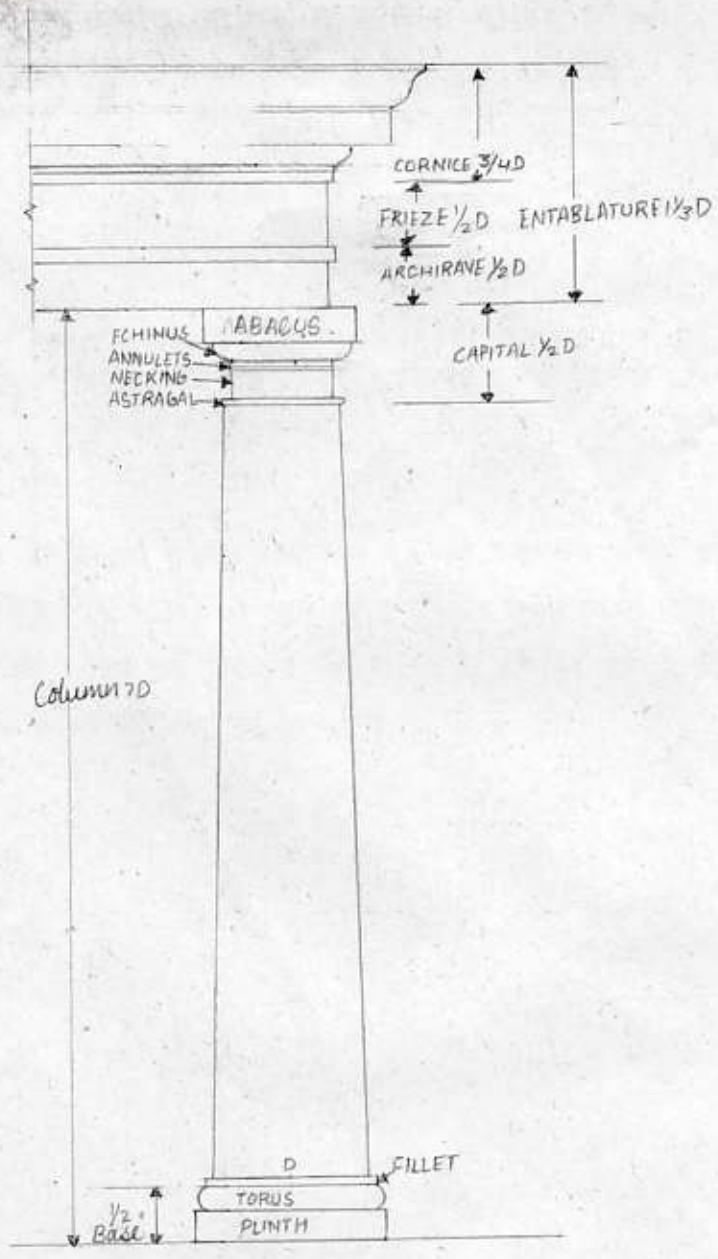
के मुह से पानी का नहरना निकलता हुआ होता है। यह शैर के सिर निश्चित दूरी पर स्थित होते हैं। तथा ये पत्तियों के पानी का निकास करने के लिए थे।

Corona सामान्यतः बड़ा व तीन से चार समतल पहिया एक दूसरे पर project करती हुई होती थी। यह dentile द्वारा support किया। जिसके ऊपर एक चौथाई गोल egg व tongue के (जेवर) आभूषण वाली moulding होती थी। dentile के नीचे cyma revers में खूब पत्तियों व जीमो वाली आभूषण होते थे। Roman Ionic order मारी मरकम आभूषणों से लबरेज था

# Roman Ionic Order

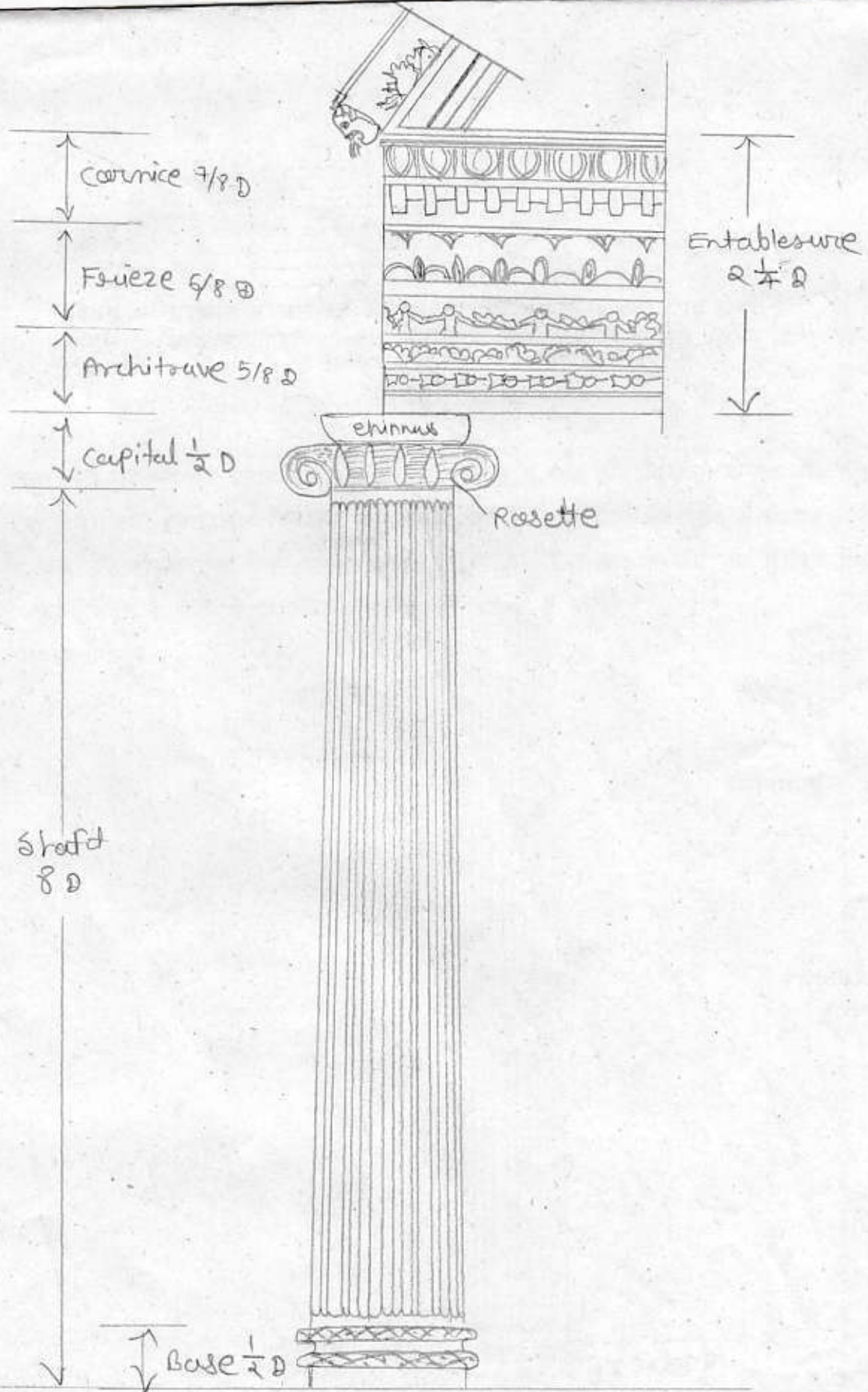






ROMAN TUSCAN ORDER

# Roman Ionic Order



Test paper

Time of Hr.

M.M - 15

Q Define the Classification of Stone rocks.

Ans. पत्थर की चट्टानों के वर्गीकरण का वर्णन करो? 8 15

पत्थर चट्टानों से जाना जाता है। चट्टानें पृथ्वी के नीचे इकी हुई व संतुष्ट पर ही संकली है। लंबे लंबे पाइप विभिन्न तरह की चट्टानों से ही बने होते हैं। चट्टानों की कोई निश्चित आकृति या निश्चित रसायनिक बनावट नहीं होती है। और वह लम्बे एक लंबी नहीं होती है। लिन चट्टानों से पत्थर प्राप्त किये जाते हैं, उन्हे निम्न तरह से वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. भू वैज्ञानिक वर्गीकरण Geological Classification
2. शारीरिक वर्गीकरण Physical Classification
3. रसायनिक वर्गीकरण Chemical Classification
4. उपयोग के आधार पर वर्गीकरण Practical Classification

\* भू वैज्ञानिक वर्गीकरण - इस वर्गीकरण में चट्टानों को प्रकार उत्पन्न हुई के आधार पर किया जाता है। इस के आधार से तीन प्रकार की चट्टानें होती हैं।

1. आग्नेय शैल (Igneous Rocks.) इस शैल को कई बार उद्भेदी शैल या अस्तरीय शैल भी (Unstratified) शैल भी कहते हैं यह शैल ज्वालामुखी उद्भेदन (Volcanic Eruption) द्वारा उत्पन्न होती। पृथ्वी की भीतरी परतों में इतना उष्ण तापक्रम होता है। पृथ्वी की सतह के अंदर ही जग जाता है। इस को थोड़ेकर पत्थर निकाला जाता है।

उदाहरण - ग्रेनाइट, बाल्साइट, ट्रैप (Trap)

2. अवसादीय शैल Sedimentary Rocks. अवसादीय शैल को जलीय Aqueous शैल या स्तरीय शैल भी कहते हैं। इस, कोहरा वर्षा इत्यादि प्राकृतिक प्रभावों से पृथ्वी की सतह पर स्थित सभी पदार्थों में परिवर्तन होता रहता है। इस परिवर्तन के दौरान पृथ्वी की सतह विद्यमान होती रहती है, लम्बे पतली परतों से बनाया किया जाता है। साल बरस चालती रहती है।

पत्थरी परतों से लभाव किया हजारों साल तक चलती रही है।  
जिस दौरान इन सभी परतों के ऊपर सभी परतों के बहुत अधिक  
दबाव पड़ने के कारण यह शैल का रस धारण कर लेती है।  
उदाहरण संगमरमर, बालुका पत्थर (Sand Stone)

3. कायान्तरित शैल (Metamorphic Rocks) आग्नेय व  
अवसादीय शैलों पर जब बहुत अधिक ताप और दबाव  
का प्रभाव होता है इसकी कण रचना (Texture) में तथा  
इसकी मूल खनिज बनावट में या इन दोनों में परिवर्तन आ  
जाता है इस परिवर्तन से जो नई शैल उत्पन्न होती है  
उसे कायान्तरित शैल कहते हैं।  
उदाहरण क्वार्ट्ज (Quartzite), शैल (Shale)

### भौतिक वर्गीकरण Physical Classification:

इस के अनुसार शैल दो भाग में बाँटी जा सकती है।

1. स्तरीय Stratified इस प्रकार की शैल के देखाए पर इन  
में परतें साफ दिखाने देती हैं। इन परतों की आसानी से  
अलग किया जा सकता है। (बालुका पत्थर, चूना पत्थर)

2. अस्तरीय शैल - Unstratified इन शैलों में कभी कोई स्तर  
नहीं दिखती, जहाँ से आसानी से तोड़ा जा सके। (ग्रेनाइट, एम्फिबोलाइट)  
रासायनिक वर्गीकरण - Chemical Classification शैल में मुख्य

खनिज तत्व के आधार पर वह वर्गीकरण किया जाता है इस  
वर्गीकरण में तीन भागों का उल्लेख है।

- I. मृण्मय शैल (Argillaceous Rocks) इस शैल में चिकनी मिट्टी मुख्य  
तत्व होता है। शैल और लेटराइट।
- II. चूनेदार शैल (Calcareous Rocks) इस शैल में मुख्य तत्व  
चूना होता है चूना पत्थर व संगमरमर इस शैल उदाहरण हैं।
- III. सिलिकामय शैल Silicious Rocks इस शैल में मुख्य तत्व  
सिलिका होता है। क्वार्ट्ज, ग्रेनाइट